CLASS: III

DATE :

SESSION NO : 6

SUBJECT : (HINDI)

CHAPTER NAME&NO–पाठ-6 (बलवान कौन?)

SUB –TOPIC-भाषा-ज्ञान-है तथा हैं का प्रयोग तथा नुक्ते वाले शब्द।

सीखने का उद्देश्य:

बच्चों का व्याकरणीक ज्ञान का विकास हो पाना।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पुनरावृति कार्य

ODM EDUCATIONAL GROUP

पाठ-६ बलवान कौन?

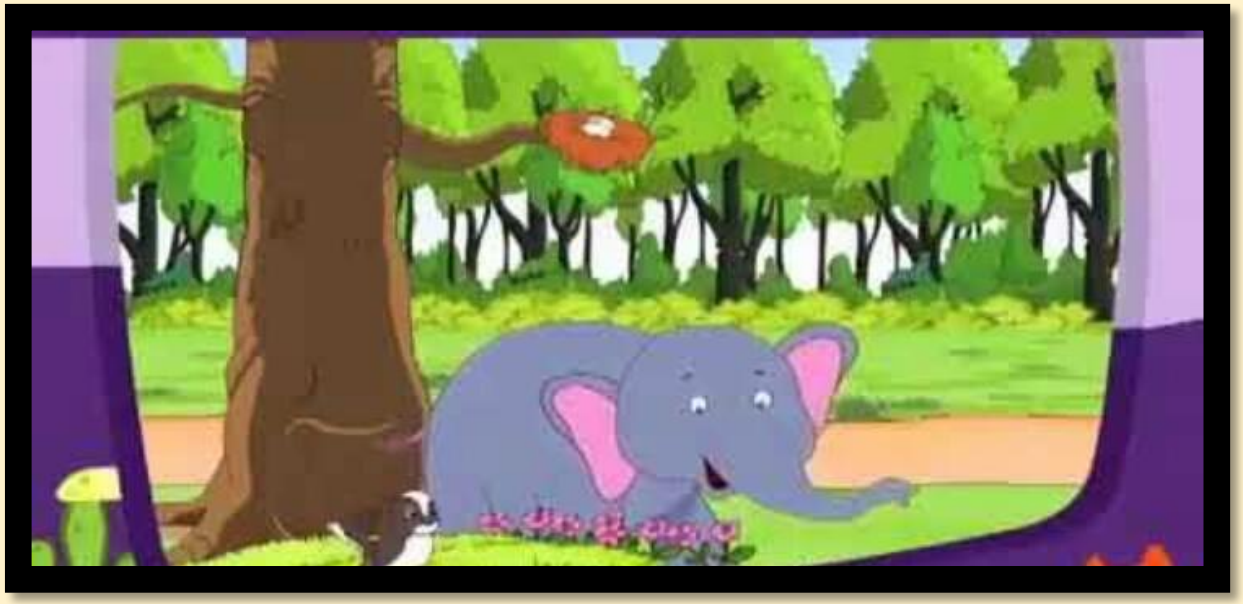

ODM
EDUCATIONAL GROUP

आओ जाने है तथा हैं मैं अंतर

'है' —एकवचन अर्थात् किसी एक वस्तु या व्यक्ति के होने का(उनकी संख्या का) बोध कराता है।

जैसे—देखो! गमले में एक फूल खिला है। (है...इसमें केवल ऐ की मात्रा होती है)

'हैं'—बहुवचन अर्थात् एक से अधिक वस्तु या व्यक्ति की संख्या होने का बोध कराता है।

जैसे—देखो! गमले में बहुत से/कई सारे/ अनेक/ढेर सारे/ दो/

तीन/ दस/पचीस/सौ/हजार/अनगिनत/अगणित/असंख्य फूल खिले हैं। (हैं...इसमें ऐ की मात्रा के साथ अनुस्वार लगता है)

ODM EDUCATIONAL GROUP

आओ जाने है तथा हैं अंतर बताने वाले कुछ वाक्य

रमेश जाता है।

श्याम गाता है ।

मोहन खाता है।

है का प्रयोग एकवचन के लिए होता है।

वे जाते हैं।

आओ सब मिलकर खाना खाते हैं।

हैं का प्रयोग बहुवचन में होता है ।

ODM
EDUCATIONAL GROUP

सही शब्द भरकर खाली जगह भरें।

1.सीता और गीता गुड़िया के लिए -------- कर रहे हैं।

2.अमित नदी से मछली------- कर रहा है।

3. बच्चे मैदान में------ रहे हैं।

4. अंगूर------हैं।

5. आज----- से बारिश हो रही है।

6. बगीचे मैं बहुत सुंदर----- खिले हैं।

आओ जानें सही जवाब👍👍

1. झगड़ा

2. पकड़

3. खेल

4. खट्टे

5. ज़ोर

6. फूल

ODM EDUCATIONAL GROUP

नुक़्ता शब्द क्या है

लिखने में कैसे प्रयोग होते हैं

ODM
EDUCATIONAL GROUP

नुक़्ता की परिभाषा

मूल रूप से 'नुक़्ता' अरबी भाषा का शब्द है और इसका मतलब 'बिंदु' होता है। साधारण हिन्दी-उर्दू में इसका अर्थ 'बिंदु' ही होता है।

नुक़्ता देवनागरी, गुरमुखी और अन्य ब्राह्मी परिवार की लिपियों में किसी व्यंजन अक्षर के नीचे लगाए जाने वाले बिंदु को कहते हैं। इस से उस अक्षर का उच्चारण परिवर्तित होकर किसी अन्य व्यंजन का हो जाता है।

जैसे –

'ज' के नीचे नुक्ता लगाने से 'ज़' बन जाता है और 'ड' के नीचे नुक्ता लगाने से 'ड़' बन जाता है।

नुक़्ते ऐसे व्यंजनों को बनाने के लिए प्रयोग होते हैं, जो पहले से मूल लिपि में न हों, जैसे कि 'ढ़' मूल देवनागरी वर्णमाला में नहीं था और न ही यह संस्कृत में पाया जाता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP

नुक़्ता का प्रयोग किन वर्णों में किया जाता है

उर्दू, अरबी, फ़ारसी भाषा से हिंदी भाषा में आए **क, ख, ग, ज, फ** वर्णों को अलग से बताने के लिए नुक़्ता का प्रयोग किया जाता है क्योंकि नुक़्ता के बिना इन भाषाओं से लिए गए शब्दों को हिंदी में सही से उच्चारित नहीं किया जा सकता। नुक़्ता के प्रयोग से उस वर्ण के उच्चारण पर अधिक दबाव आ जाता है।
जैसे –

हिंदी में 'खुदा' का अर्थ होता है – 'खुदी हुई ज़मीन' और नुक़्ता लग जाने से 'ख़ुदा' का अर्थ 'भगवान्' हो जाता है।

हिंदी में 'गज' का अर्थ होता है – 'हाथी' और नुक़्ता लग जाने से 'गज़' का अर्थ 'नाप' हो जाता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP

कुछ नुक़्ता वाले शब्द

कमज़ोर, तूफ़ान, ज़रूर, इस्तीफ़ा, ज़ुल्म, फ़तवा, मज़दूर, ताज़ा, फ़कीर, फ़रमान, इज़्ज़त आदि।

क, ख, ग में नुक़्ता का प्रयोग हिंदी भाषा में अनिवार्य नहीं है परन्तु 'ज़' और 'फ़' में नुक़्ता लगाना आवश्यक है।

ODM EDUCATIONAL GROUP

अध्ययन के परिणाम

बच्चों का व्याकरणीक ज्ञान का विकास हो पाया।

ODM EDUCATIONAL GROUP

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow